माध्यमिक शिक्षा (कक्षा ११ र १२) पाठ्यक्रम, २०७८
मैथिली

कक्षा : ११ आ १२

पाठ्यघण्टा : ५
कार्यघण्टा : १६०

विषय सङ्केत

कक्षा ११, मैथिली (mai – 335)
कक्षा १२, मैथिली (mai – 336)

१. परिचय

विद्यार्थीसभमे मैथिली भाषासम्बद्ध भाषिक-साहित्यिक शिल्प आ व्यावहारिक-सृजनात्मक क्षमताक विकास करबाक उद्देश्य राखि ई पाठ्यक्रम बनाओल गेल अछि । राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारूप, २०७६ क मार्गदर्शन मोताबिक तैयार कएल गेल विद्यालय शिक्षाक माध्यमिक तह (कक्षा ११ आ १२) मे मैथिली विषयक एहि पाठ्यक्रममे साहित्यिक सृजनक उपयोग करैत सामाजिकीकरण, अन्तरभाषिक व्यवहार, सञ्चार, प्रशासन, प्रविधि, लिपि आ मौखिक-लिखित व्यवहारकलेल मैथिली भाषाक प्रयोगात्मक विषयवस्तुकेँ समावेश कएल गेल अछि । वर्तमान सन्दर्भमे मैथिली भाषा-साहित्यक ऐतिहासिक परम्पराकेँ निरन्तरता दैत विद्यार्थीक अभिरुचिकेँ सेहो सम्बोधन कऽ शिक्षाक राष्ट्रिय उद्देश्य प्राप्त करबाक तथा एकर सान्दर्भिकताकेँ व्यापक बनएबाक लक्ष्य राखल गेल अछि । अपेक्षा अछि जे एहि पाठ्यक्रमसँ सम्बन्धित विषयमे उच्च शिक्षाक आधार सेहो तैयार हएत ।

मैथिली विषयक पाठ्यक्रममे मैथिली साहित्यक विधातत्त्व, विधागत स्वरूप आ संरचना, मैथिली साहित्यक इतिहास तथा साहित्य सिद्धान्त क्षेत्र एवं ओहि सभपर आधारित विषयवस्तुकेँ समटल गेल अछि । तेँ प्रभावकारी ग्रहणकलेल ओहि विषयक्षेत्र आ विषयवस्तुक सैद्धान्तिक तथा प्रयोगात्मक पक्षपर आधारित भऽ विद्यार्थी-केन्द्रित सहजीकरण विधि तथा प्रक्रियापर जोड़ देल गेल अछि । एहिसँ विषयवस्तुपर आधारित भऽ सृजनात्मक लेखन, कृति समिक्षा, प्रतिवेदन लेखन, स्थलगत अध्ययन-भ्रमण, खोजमूलक निरन्तर ग्रहण (सिखनाइ), ग्रहण आ मूल्याङ्कनक पद्धतिकेँ प्रयोगात्मक आ खोजमूलक बनएबामे सहज होएबाक उद्देश्य राखल गेल अछि । एहि तहमे साहित्य शिक्षणक माध्यमसँ साहित्यक विभिन्न विधाक रचनाक बोध, तकरासभक आस्वादन, शब्दशक्ति, अभिव्यक्ति-दक्षता आ विश्लेषणात्मक शिल्पक अभिवृद्धि करबाक लक्ष्य राखल गेल अछि । मैथिली विषयक पाठ्यक्रमक विकास-क्रममे उल्लिखित विषयवस्तुक अवधारणा विकास, अभ्यास आ निरन्तर ग्रहण तथा मूल्याङ्कन बीचक सन्तुलनकेँ विशेष रूपेँ ध्यान देल गेल अछि ।

परिचय, तहगत सक्षमता, कक्षागत ग्रहण उपलब्धि, विषयवस्तुक क्षेत्र आ क्रम, ग्रहण सहजीकरण प्रक्रिया आ विद्यार्थी मूल्याङ्कनकेँ समटिकऽ एहि पाठ्यक्रमक विकास कएल गेल अछि । एहि क्रममे पाठ्यक्रम विकासक विषयगत औचित्य, पाठ्यक्रममे रहल मुख्य विशेषता तथा पाठ्यक्रमक स्वरूपकेँ स्वीकारैत परिचय, विषयगत रूपमे अपेक्षित ज्ञान, शिल्प, अभिवृत्ति, मूल्य आ कार्य-तत्परताकेँ समटिकऽ क्रियात्मक स्वरूपमे सक्षमता, ग्रहण (सिखनाइ) क स्तर आ सक्षमताक विशिष्टीकृत विस्तृतीकरण कऽ ग्रहण उपलब्धि एवं पछिला कक्षासङ्ग लम्बीय सन्तुलनक आधारपर विषयवस्तुक क्षेत्र आ क्रम, विषयगत विशिष्टता आ मौलिकताकेँ समावेश कऽ ग्रहण सहजीकरणक विधि तथा प्रक्रिया एवं निर्माणात्मक आ निर्णयात्मक मूल्याङ्कनक विधि आ प्रक्रिया उल्लेख कऽ विद्यार्थी-मूल्याङ्कनकेँ व्यवस्थित कएल गेल अछि ।

२. तहगत सक्षमता

माध्यमिक तह (कक्षा ११ आ १२) क अध्ययन पश्चात विद्यार्थीसभमे निम्नलिखित सक्षमता प्राप्त होएत :

१. मैथिली साहित्यक विधासभक पहिचान, पठन, विशेषता-बोध आ प्रस्तुति

२. विधातत्त्व , कृति आ स्रष्टाक सम्बन्धक पहिचान आ विश्लेषण

३. साहित्यिक रचनाक स्वरूप आ सन्दर्भक पहिचान तथा समीक्षात्मक प्रस्तुति

४. साहित्यिक रचनाक सारांश, व्याख्या आ भावविस्तार

५. साहित्यिक कृतिमे रहल अभिधा, लक्षणा आ व्यञ्जना शक्तिक पहिचान एवं विश्लेषण

६. अनुकरणात्मक तथा स्वतन्त्र सृजन आ लेखन

७. व्याकरणिक दृष्टिएँ मैथिली भाषाक विशिष्टताक बोध तथा प्रस्तुतीकरण

८. मिथिलाक्षर लिपिमे शब्द तथा वाक्यसभक पठन तथा लेखन एवं देवनागरी आ मिथिलाक्षरबीच रूपान्तरण

९. मैथिली भाषा-साहित्यक आस्वादनमे अभिरुचि आ अध्ययनक आदति

३. कक्षागत ग्रहण (सिखनाइ) उपलब्धि

माध्यमिक तह (कक्षा ११ आ १२) के अध्ययन पश्चात विद्यार्थीसभमे निम्नलिखित ग्रहण उपलब्धि हासिल होएत :

कक्षा ११	कक्षा १२
ग्रहण (सिखनाइ) उपलब्धि	**ग्रहण (सिखनाइ) उपलब्धि**
१. मैथिली साहित्यक कथा, कविता, निबन्ध आ नाटकक संरचना पहिचान कऽ बताएब	१. मैथिली साहित्यक कथा, कविता, निबन्ध, उपन्यास, गाथा आ खण्डकाव्यक संरचनाक पहिचान कऽ बताएब
२. निर्धारित विधातत्त्वक आधारपर समीक्षा करब	२. निर्धारित विधातत्त्वक आधारपर समीक्षा करब
३. निर्धारित कथा, कविता, नाटक आ निबन्धक पाठसभक सारांश लिखब आ मुख्य अंशक भावविस्तार करब	३. निर्धारित कथा, कविता, निबन्ध, उपन्यास, खण्डकाव्य आ गाथाक सारांश लिखब आ मुख्य अंशक भावविस्तार करब
४. निर्धारित अंशक सप्रसङ्ग व्याख्या करब	४. निर्धारित अंशक सप्रसङ्ग व्याख्या करब
५. निर्धारित कथा, कविता, निबन्ध, नाटकक विधागत विशेषता अनुसारक विषयवस्तु, मूलभाव, कथानक, पात्र, दृष्टिविन्दु, परिवेश, लय-विधान, उद्देश्य, भाषाशैली, संवाद आ रूपविन्यासक विश्लेषण करब	५. निर्धारित कथा, कविता, खण्डकाव्य, निबन्ध, उपन्यास, गाथाक विधागत विशेषता मोताबिक विषयवस्तु, मूलभाव, कथानक, पात्र, दृष्टिविन्दु, परिवेश, लय-विधान, उद्देश्य, भाषाशैली, संवाद आ रूपविन्यासक विश्लेषण करब
६. साहित्यक मूल विधासभक प्रकार आ तत्त्वसभक परिचय देब	६. निर्धारित साहित्यिक पाठसभक रचनाकारसभक परिचय आ प्रवृत्तिक सम्बन्धमे विवेचन करब
७. निर्धारित साहित्यिक पाठसभक रचनाकारसभक परिचय आ प्रवृत्ति सम्बन्धमे विवेचन करब	७. निर्धारित साहित्यिक कृति वा रचना पढ़ि तकरासभक समीक्षात्मक प्रस्तुति करब
८. निर्धारित साहित्यिक कृति आ रचना पढ़ि तकर समीक्षा प्रस्तुत करब	८. निर्धारित साहित्यिक पाठसभमे रहल सामाजिक सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक, प्रगतिवादी, अस्तित्ववादी, मानवतावादी, नारीवादी वैचारिक सन्दर्भ बूझि समीक्षा करब
९. निर्धारित साहित्यिक पाठसभमे रहल सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, प्रगतिवादी, अस्तित्ववादी, नारीवादी आ देशभक्तिपूर्ण वैचारिक सन्दर्भ बूझि समीक्षा करब	९. कथा, कविता, निबन्ध आ यात्रा-वृत्तान्तक मौलिक लेखन करब
१०. शब्दशक्ति, छन्द, रस आ अलङ्कारक परिचय देब	१०. कवितामे प्रयुक्त छन्द, रस आ अलङ्कारक पहिचान करब
११. कवितामे प्रयुक्त छन्द, रस आ अलङ्कारक पहिचान कऽ बताएब	११. कोनो साहित्यिक वा अन्य कार्यक्रम वा घटनाक सम्बन्धमे प्रतिवेदन तैयार करब आ प्रस्तुत करब वा कार्यशालामे प्रतिवेदन प्रस्तुत करब
१२. मैथिली साहित्यक प्राचीन, मध्य आ आधुनिक कालखण्डक विभाजन आ प्रत्येक कालक मूल प्रवृत्ति विन्दुगत रूपमे लिखब	१२. उपन्यास, कथा, कविता आ खण्डकाव्यक कथावस्तु, चरित्र, परिवेश, उद्देश्य, मूलभाव, रस, अलङ्कार, छन्द, भाषाशैली, दृष्टिविन्दु आदि विधातत्त्वक आधारपर विवेचन करब
१३. कथा आ नाटकक कथावस्तु, चरित्र, परिवेश, उद्देश्य, मूलभाव, शीर्षक, भाषाशैली, दृष्टिविन्दु आदि विधातत्त्वक आधारपर विवेचन करब	१३. मैथिलीक क्रियापदक वैज्ञानिक वर्णन-विश्लेषण करब
१४. मिथिलाक्षरमे शब्द/वाक्य पढ़बलिखब, पत्र लिखब आ पढ़ब एवं देवनागरी तथा मिथिलाक्षरबीच	१४. मिथिलाक्षरमे लिखित सरल, संयुक्त आ मिश्र

परस्पर रूपान्तरण करब १५. अनुकरणात्मक आ सृजनात्मक लेखन करब	वाक्यवला सामग्री पढ़ब तथा अनुच्छेद लिखब आ देवनागरी मिथिलाक्षरबीच परस्पर रूपान्तरण करब १५. अनुकरणात्मक आ सृजनात्मक लेखन करब

४. विधा, क्षेत्र तथा पाठ-विवरण

कक्षा ११

क्र.स.	विधा	**क्षेत्र**	पाठ **विवरण**	**पाठ्यसामग्रीक विश्लेषण-विधि**	पाठ **संख्या**	**कुल पाठ**	**कार्य घण्टा**
१.	कथा	सांस्कृतिक मनोवैज्ञानिक नारीवादी अस्तित्ववादी गाथामूलक	अवरोध (अयोध्यानाथ चौधरी) झिमनी (डा.राजेन्द्र विमल) फूल बहिन (विजेता चौधरी) पुरैनियाँबाली (प्रदीप विहारी) फुलबा हरण (रमेश रञ्जन)	विधातत्त्व (कथावस्तु, कथानक, पात्र, परिवेश, दृष्टिविन्दु, उद्देश्य आ शैली-शिल्प) क आधारपर विश्लेषण	१ १ १ १ १	५	२५
२.	कविता	देशभक्तिमूलक प्रकृतिप्रधान नारीवादी मानवतावादी अस्तित्ववादी सहअस्तित्ववादी	हम नेपाली छी (सुन्दर झा 'शास्त्री') रातुक भीजल छल वनउपवन (अनन्तविहारी लालदास 'इन्दु') कनियाँ गाछ (रूपा धीरू) नित अन्हारमे जा रहल दोहा (रूपम झा) चित्रकला प्रदर्शनी (अमरेन्द्र यादव) गजल : जाली छै दुनिया ... (मो. अशरफ राइन)	विधातत्त्व (मूलभाव, लयविधान, रस, अलङ्कार, उद्देश्य आ शैलीशिल्प) क आधारपर विश्लेषण	१ १ १ १ १ १	६	३०
३.	निबन्ध	विवरणात्मक व्यङ्ग्यात्मक व्यक्तित्वपरक	डोमसभक सामाजिक जीवन (प्रा. नमोनारायण झा) चौरचन, गदहा आ शिक्षा (डा. सुरेन्द्र लाभ) लोकनायक सलहेस (रामरिझन यादव)	विधातत्त्व (विषयवस्तु, विचार, उद्देश्य, शैली-शिल्प आ शीर्षक) क आधारपर विश्लेषण	१ १ १	३	१५
४.	नाटक	पौराणिक	अष्टावक्र (अवधेश पोखरेल 'जनकपुरिया')	विधातत्त्व (कथावस्तु, पात्र, परिवेश, संवाद, द्वन्द्व, उद्देश्य, शैली एवं अभिनेयता) क आधारपर विश्लेषण	१	१	१५
५.	साहित्य सिद्धान्त	शब्दशक्ति, रस, छन्द, अलङ्कार	सन्दर्भ पोथी : (१) काव्य शास्त्रक रूपरेखा (डा. धीरेश्वर झा 'धीरेन्द्र')	शब्दशक्ति : अभिधा, लक्षणा आ व्यञ्जना रस : नवरसक परिचय छन्द : वार्णिक, मात्रिक आ लोकछन्द परिचय तथा निम्न छन्दक परिचय एवं प्रयोग : शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, वसन्ततिलका, अनुष्टुप, चौपाइ, दोहा, सोरठा, बरबा, आल्हा, महराइ, सोहर, समदाओन अलङ्कार :	१	१	१५

				शब्दालङ्कार एवं अर्थालङ्कारक परिचय : अनुप्रास, उपमा, रूपक उत्प्रेक्षा			
६.	साहित्य इतिहास	मैथिली साहित्यक संक्षिप्त रूपरेखा	सन्दर्भ पोथी : (१) मैथिली साहित्यक इतिहास (बालगोविन्द झा 'व्यथित') (२) मैथिली साहित्यक विविध आयाम आ विकास-यात्रा (धीरेन्द्र प्रेमर्षि) (३) नेपालक मैथिली साहित्यक इतिहास (डा. प्रफुल्लकुमार सिंह 'मौन')	मैथिली साहित्यक काल-विभाजन (प्राचीन, मध्य, आधुनिक आ समसामयिक) नेपालक मैथिली साहित्यक परिचय, प्रतिनिधि मैथिली लेखकसभक लेखनक विशेषताक विश्लेषण	१	१	१५
७.	लिपि	मिथिलाक्षर	सन्दर्भ पोथी : (१) मैथिली प्रथम पुस्तक लेखक : जीवनाथ राय प्रकाशक : पं. शिलानाथ झा मिथिलाक्षर पुरस्कार कोष	मिथिलाक्षरक परिचय, पठन, लेखनक अभ्यास	१	१	५
			सैद्धान्तिक कार्यघण्टा				१२०
			प्रयोगात्मक कार्यघण्टा				४०
			कुल कार्यघण्टा				१६०

कक्षा १२

क्र.सं.	विधा	**क्षेत्र**	**पाठ विवरण**	**पाठ्यसामग्रीक विश्लेषण-विधि**	पाठ **संख्या**	**कुल पाठ**	कार्य **घण्टा**
१.	कथा	अस्तित्ववादी पारिवारिक नारीवादी लोककथा प्रेमकथा	गुम्मा थापड़ (डा. धीरेश्वर झा 'धीरेन्द्र') बहुरा (डा.रेवतीरमण लाल) माउगि (डा. विभा रानी) सोनाके दाँत (डा. गंगाप्रसाद अकेला) माल्हो (वृषेशचन्द्र लाल)	विधातत्त्व (कथावस्तु, कथानक, पात्र, परिवेश, दृष्टिविन्दु, उद्देश्य आ शैली-शिल्प) क आधारपर विश्लेषण	१ १ १ १ १	५	२५
२.	कविता	यथार्थवादी नीतिपरक दलित चेतना प्रगतिवादी सांस्कृतिक नारीवादी	दृष्टान्तमाल (पं.जीवनाथ झा) गुरु (रामस्वार्थ ठाकुर 'गाँधी') हमरे डाला पनपथियासँ (धीरेन्द्र प्रेमर्षि) समय गीत (रोशन जनकपुरी) मैथिली (प्रेम विदेह) सिया (नाज सिंह)	विधातत्त्व (मूलभाव, लयविधान, रस, अलङ्कार, उद्देश्य आ शैलीशिल्प) क आधारपर विश्लेषण	१ १ १ १ १ १	६	३०
३.	निबन्ध	व्यङ्ग्यात्मक यात्रा वृत्तान्त व्यक्तित्वपरक	दही चूड़ा चिनी (प्रा. हरिमोहन झा) हमर संस्मरणमे चीन (रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर') स्वाभिमानी साहित्यकार डा. धीरेन्द्र (राजेश्वर नेपाली)	विधातत्त्व (विषयवस्तु, विचार, उद्देश्य, शैली-शिल्प आ शीर्षक) क आधारपर विश्लेषण	१ १ १	३	१५
४.	उपन्यास	सामाजिक	मर्सिनी (डा.अरूण कुमार झा)	विधातत्त्व (कथावस्तु, कथानक, पात्र, दृष्टिविन्दु, परिवेश, उद्देश्य, शीर्षक	१	१	१५

				आ शैली-शिल्प) क आधारपर विश्लेषण			
५.	खण्डकाव्य	छन्द मय	मूस महिमा (मथुरानन्द चौधरी 'माथुर')	विधातत्त्व (मूलभाव, लयविधान, रस, अलङ्कार, उद्देश्य आ शैली-शिल्प) क आधारपर विश्लेषण	१	१	१०
६.	गाथा	लोकगाथा	दीनाभद्री गाथा (मारि आइ हम खाइ छियै १९ पृष्ठधरि) सातनि राम	विधातत्त्व (मूलभाव, लयविधान, शैलीशिल्प) क आधारपर विश्लेषण	१	१	१०
७.	भाषा विज्ञान	भाषिक अध्ययन	सन्दर्भ सामग्री : (१) मैथिलीक भाषिक वैविध्य : औपभाषिक ओ मानक स्वरूप (डा. रामावतार यादव) (२) अन्य	मैथिली भाषाक उत्पत्ति, ऐतिहासिक प्रयोग, मुख्य-मुख्य विशेषता, क्रियापदक वैशिष्ट्यक वैज्ञानिक वर्णन/विश्लेषण	१	१	१०
८.	लिपि	मिथिलाक्षर	सन्दर्भ सामग्री : (१) मैथिली प्रथम पुस्तक लेखक : जीवनाथ राय प्रकाशक : पं. शिलानाथ झा मिथिलाक्षर पुरस्कार कोष	मिथिलाक्षरक पठन, लेखन एवं अभ्यास	१	१	५
				सैद्धान्तिक कार्यघण्टा			१२०
				प्रयोगात्मक कार्यघण्टा			४०
				कुल कार्यघण्टा			१६०

५. ग्रहण (सिखनाइ) सहजीकरण प्रक्रिया

मैथिली विषयक ग्रहण (सिखनाइ) मे सहजीकरणकलेल भाषिक आ साहित्यिक शिल्पक सृजनात्मक विकासपर जोड़ देल गेल अछि । एहि विषयक पाठ्यक्रममे मैथिली भाषा-साहित्यमे प्रचलित विधातत्त्वक उपयोगपर विशेष महत्त्व देल गेल अछि । तेँ मैथिली अध्ययन-अध्यापन करैत काल समाविष्ट विषयवस्तुक सभ क्षेत्रकेँ समान महत्त्व देल जएबाक चाही ।

प्रचलित साहित्यिक विधा आ सम्बद्ध विषय-क्षेत्रकेँ पर्यन्त दृष्टिगत कऽ सहजीकरण-प्रक्रिया सञ्चालन करबाक चाही । विद्यार्थीक भाषिक आ साहित्यिक अनुभव तथा सृजनात्मक कौशलकेँ सेहो दृष्टिगत कऽ विद्यार्थीमे सृजनात्मक दक्षता विकासकलेल सहजीकरण कएनाइ आवश्यक अछि । मैथिली विषयक अध्ययनक हेतु आवश्यक विश्लेषणात्मक आ सृजनात्मक ज्ञानक आवश्यकताकेँ विचार कऽ तदनुरूपक शिल्प विकासक प्रयास करबाक चाही । सहजीकरणक क्रममे विमर्श, प्रश्नोत्तर, अवलोकन, भ्रमण, जाँच-पड़ताल, समस्या-समाधान, परियोजना, क्षेत्र-भ्रमण विधि, प्रदर्शन, व्याख्यानसन विधिसभक प्रयोग कएल जाएत । विषयवस्तुक अनुकूलता होएबाक हिसाबेँ शिक्षण सहजीकरण विधिक प्रयोग कएल जएबाक चाही । एहिठाम चर्चा कएल गेल विधिसभकेँ आधार मानि विषय शिक्षक सहजीकरणक सृजनात्मक विधिक चयन आ प्रयोग कऽ सकैत छथि । वर्तमान समयमे सहजीकरणलेल आधुनिक सूचना प्रविधिक प्रयोग सेहो वाञ्छनीय अछि । साहित्यिक विधाक ग्रहण सहजीकरणकलेल निम्नानुसारक क्रियाकलापकेँ उपयोग कएल जा सकैत अछि :

(क) कथा आ उपन्यास

- कथा आ उपन्यास पढ़ि मुख्य-मुख्य घटना कहबाएब आ लिखबाएब
- कथा आ उपन्यासक कथानकक योजना लिखबाएब
- कथा आ उपन्यासक पात्रसभक परिचय कहबाएब आ लिखबाएब
- उपन्यासक पठनक बाद घटनाक पूर्वानुमान, पश्चानुमान मिलान करबाएब
- कथा आ उपन्यासमे चित्रित सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक आ लैङ्गिक सन्दर्भ पहिचान करबाएब
- कथा आ उपन्यासक दृष्टिविन्दु पहिचान करबाएब
- कथा आ उपन्यास पढ़ि सारांश तथा मुख्य सन्देश लिखबाएब आ प्रस्तुत करबाएब
- उपन्यास पढ़बाकऽ समीक्षा लिखबाएब

- कथा आ उपन्यासमे प्रयोग भेल पदावली आ अनुच्छेदसँ शब्दशक्तिक पहिचान करबाएब
- निर्धारित कथा आ उपन्यास पढ़ि घटना आ पात्र परिवर्तन कऽ पुनर्लेखन करबाएब
- कथा आ उपन्यासक सारवस्तु प्रस्तुत करबाएब
- कथा पढ़ि मौलिक कथा सृजन करबाएब

(ख) कविता, गीत, गजल

- कविता, गीत, गजलक आदर्श वाचन कऽ सुनाएब आ गति, यति आ लय मिलाकऽ विद्यार्थीसभसँ सस्वर पाठ करबाएब
- कविताक लय (लोक/गीति लय, मात्रिक आ वर्णमात्रिक लय) पहिचान करबाएब
- कविता, गीत, गजलक पाँतिसभकेँ गद्य भाषामे लिखबाएब
- कविताक छन्द, रस, अलङ्कार आ संरचना पहिचान करबाएब
- गद्य कवितामे रहल आन्तरिक लयक पहिचान तथा तदनुरूप वाचन करबाएब
- कविता, गीत, गजलमे प्रयुक्त विषयवस्तु आ भाव/विचारकेँ कवि आ कविताक सन्दर्भसङ्गे जोड़ि प्रस्तुत करबाएब
- कवितांश, गीतांश, गजलांशक सप्रसङ्ग व्याख्या आ भावविस्तार करबाएब
- कविताक भाव आ विचार प्रस्तुत करबाएब
- कविता, गीत, गजल पढ़ि अनुकरणात्मक आ मौलिक रचना सृजन करबाएब
- कविता, गीत, गजलमे रहल अभिधा, लक्षणा आ व्यञ्जनाक पहिचान करबाएब

(ग) निबन्ध आ यात्रावृत्तान्त

- निबन्ध/यात्रावृत्तान्त पढ़बाएब
- निबन्ध/यात्रावृत्तान्त पढ़ि तकर संरचना (आदि, मध्य, अन्तक शृङ्खला) पहिचान करबाएब
- निबन्ध/यात्रावृत्तान्तमे प्रयुक्त विषयवस्तु आ भाव अभिव्यक्त करबाएब
- निबन्धक ढाँचा आ प्रकार (आत्मपरक, व्यक्तित्वपरक, हास्यव्यङ्ग्यात्मक, विश्लेषणात्मक, विवरणात्मक) पहिचान करबाएब
- निबन्धक तत्त्वसभ (शीर्षक, विषयवस्तु, भाव/विचार, भाषाशैली, उद्देश्य) क आधारपर प्रश्न पुछि उत्तर दिअबाएब
- निबन्ध/यात्रावृत्तान्तमे घटित घटना आ उल्लिखित तथ्यसभ प्रस्तुत करबाएब
- निबन्ध/यात्रावृत्तान्तमे वर्णित स्थान, प्राकृतिक सौन्दर्य आ सांस्कृतिक पक्षक पहिचान करबाएब
- कोनो स्थानक भ्रमण अनुभवक आधारपर यात्रावृत्तान्त लिखबाएब
- स्थानक भ्रमण अवलोकनमे स्थानक परिचय, सांस्कृतिक पहिचान आ प्राकृतिक सौन्दर्यक विभिन्न पक्षक विन्दु टिपाकऽ यात्रावृत्तान्त लिखबालेल प्रेरित करब
- विषयवस्तुक खोज कऽ अनुकरणात्मक आ मौलिक निबन्धक रचना करबाएब
- निबन्ध/यात्रावृत्तान्तमे प्रयुक्त पदमे अभिधार्थ, लक्षणार्थ आ व्यञ्जनार्थ पहिचान करबाएब

(घ) नाटक

- नाटककेँ हाओभाओसहित सस्वर पठन करबाएब
- नाटकक पठन कऽ ओकर प्रकृति (मञ्चीय नाटक, सड़क नाटक, रेडियो नाटक) निर्धारण करबाएब
- नाटकक विषयवस्तु, चरित्र, संवाद, परिवेश आ दृश्य पहिचान करबाएब
- नाटकक प्रारम्भ, विकास आ चरम उत्कर्षक क्रममे प्रकट भेल मुख्य-मुख्य द्वन्द्व पहिचान कऽ प्रस्तुत करबाएब
- नाटक पढ़ि चरित्रसभक भूमिका विश्लेषण करबाएब
- नाटक पढ़ि ओहिमे प्रस्तुत विचारक विश्लेषण करबाएब
- नाटकक संरचना (आदि, मध्य, अन्त) पहिचान करबाएब
- नाटक पढ़ि घटनाक पूर्वानुमान आ पश्चानुमान मिलान करबाएब
- कथानक, विचार, चरित्र, संवाद, परिवेश, द्वन्द्व, अभिनेयता, भाषाशैलीक आधारपर नाटकक विश्लेषण करबाएब
- विषय चयन करबा लघुनाटक लिखबाएब

(ङ) खण्डकाव्य आ गाथा

- खण्डकाव्य÷गाथाक अंश वाचन कऽ सुनाएब आ गति, यति, लय मिलाकऽ विद्यार्थीसँ वाचन करबाएब
- खण्डकाव्य÷गाथामे प्रयुक्त लय पहिचान करबाएब
- खण्डकाव्य÷गाथाक पद्य तथा पाँतिसभकेँ गद्यमे रूपान्तर करबाएब
- खण्डकाव्यमे प्रयुक्त शब्दशक्ति, छन्द, रस आ अलङ्कारक पहिचान करबाएब
- खण्डकाव्य÷गाथामे प्रयुक्त विषयवस्तु आ भाव/विचारकेँ रचनाकार आ रचनाक सन्दर्भसङ्गे जोड़ि प्रस्तुत करबाएब
- खण्डकाव्यमे रहल अभिधा, लक्षणा आ व्यञ्जनाक पहिचान करबाएब
- गाथाक कथानक, परिवेश, द्वन्द्व, लय, भाषाशैलीक आधारपर विश्लेषण करबाएब

(च) भाषा विज्ञान, साहित्य सिद्धान्त आ साहित्यक इतिहास

- मैथिलीक क्रियापदक वैशिष्ट्य तथा वैज्ञानिकता दऽ बुझा उपयुक्त ढङ्गसँ प्रयोग करबाएब
- कर्त्ता, कर्म, काल, पक्ष, आदरार्थी अनुसार क्रियापदमे आबऽ वला भिन्नताक प्रस्तुतीकरण करबाएब
- सहायक क्रियाक वर्णन/विश्लेषण एवं प्रस्तुतीकरण करबाएब
- शब्दशक्ति, छन्द, रस आ अलङ्कार सम्बन्धी सामग्री उपलब्ध करबा विमर्श आ प्रस्तुतीकरण करबाएब
- विद्यार्थीक प्रस्तुतिकेँ सेहो आधार मानि शब्दशक्ति, छन्द, रस आ अलङ्कारक परिचय देब
- विभिन्न विधागत सामग्रीमेसँ शब्दशक्ति, छन्द, रस आ अलङ्कारक पहिचान तथा अभ्यास करबाएब
- मैथिली साहित्यक इतिहासक सम्बन्धमे परिचय दऽकऽ संक्षिप्त विकासक्रम प्रस्तुत करबाएब
- प्राथमिक, माध्यमिक, आधुनिक आ समसामयिक मैथिली साहित्यक मुख्य प्रवृत्ति आ प्रतिनिधि स्रष्टासभक परिचय प्रस्तुत करबाएब
- नेपालक मैथिली साहित्यक संक्षिप्त जानकारी कराए सामूहिक विमर्श करबाएब

(छ) मिथिलाक्षर

- मिथिलाक्षरक ऐतिहासिकता तथा विशिष्टता कहबाएब
- मिथिलाक्षरमे लिखल शब्द, वाक्य आ अङ्कसभ पढ़बाएब आ लिखबाएब
- मिथिलाक्षरमे पत्र आ अनुच्छेद लिखबाएब पढ़बाएब
- मिथिलाक्षर देवनागरीबीच अनुच्छेदक रूपान्तर करबाएब

६. मूल्याङ्कन प्रक्रिया

विद्यार्थीक ग्रहण उपलब्धि सुनिश्चित करबाकलेल निर्माणात्मक आ निर्णयात्मक दुनू प्रकारक मूल्याङ्कन आवश्यक अछि । विद्यार्थीक ग्रहण उपलब्धि सुधारकलेल कक्षा शिक्षणक क्रममे कक्षाकार्य, परियोजना कार्य, प्रस्तुतीकरण, उपलब्धि परीक्षासन क्रियाकलाप करबा सैद्धान्तिक आ प्रयोगात्मक ज्ञान तथा शिल्प हासिल करबौनाइ आवश्यक अछि । एकर प्रभावकारी कार्यान्वयन आ विद्यार्थीक ग्रहणस्तरमे सुधारकलेल सहजीकरण क्रियाकलापक अभिन्न अङ्गक रूपमे निर्माणात्मक मूल्याङ्कनक उपयोग करऽ पड़त । निर्माणात्मक मूल्याङ्कनक ग्रहण उपलब्धिक निश्चित भारकेँ निर्णयात्मक मूल्याङ्कनमे सेहो जोड़ल जाएत ।

पाठ्यक्रमद्वारा निर्धारित उद्देश्य अनुरूप विद्यार्थीसभ ज्ञान, शिल्प आ अभिवृत्ति प्राप्त कऽ पाएल वा नहि से पता लगएबाक महत्त्वपूर्ण संयन्त्र मूल्याङ्कन अछि । विद्यार्थीसभक मूल्याङ्कन करैत काल ग्रहण उपलब्धिकेँ ध्यान दऽकऽ सक्षमता आ ग्रहण उपअब्धिअनुरूप ग्रहणक सभ स्तरकेँ समटब आवश्यक अछि । आन्तरिक आ वाह्य मूल्याङ्कन मार्फत एहि विषयक मूल्याङ्कन होएत । मूल्याङ्कनक कुल भारमध्य २५ प्रतिशत आन्तरिक आ ७५ प्रतिशत वाह्य मूल्याङ्कन होएत । अहिना वाह्य मूल्याङ्कन अन्तर्गत लिखित परीक्षा सञ्चालन होएत । निर्माणात्मक आ निर्णयात्मक दुनू तरीकासँ विद्यार्थीक मूल्याङ्कन कएल जाएत । एहि विषयक पाठ्यक्रममे समावेश कएल गेल तहगत सक्षमता, कक्षागत ग्रहण उपलब्धि आ ओहिसभक विषयवस्तु, सम्बन्धित शिल्प, ग्रहण सहभागिता आ ग्रहण सक्रियताक आधारपर विद्यार्थीसभक ग्रहणक मूल्याङ्कन करबाक चाही ।

(क) आन्तरिक मूल्याङ्कन

विद्यार्थीसभ सिखलक वा नहि, से पता लगा नहि सिखलाक कारण पहिचान कऽ फेर सिखाओल जाएवला मूल्याङ्कन प्रक्रियाकेँ निर्माणात्मक मूल्याङ्कन कहल जाइछ । एहिमे आन्तरिक मूल्याङ्कनकलेल विद्यार्थीसभद्वारा कएल गेल कार्य आ विद्यार्थीमे भेल व्यवहार परिवर्तनक अभिलेखक आधारपर अङ्क प्रदान करबाक चाही । कक्षा ११ आ १२ क मैथिली विषय ग्रहण-क्रममे कक्षामे कक्षागत शिक्षण ग्रहणेक अभिन्न अङ्गक रूपमे गृहकार्य, कक्षाकार्य, परियोजना कार्य, सामुदायिक कार्य, सह/अतिरिक्त क्रियाकलाप, सृजनात्मक लेखन, कृति समीक्षा, प्रतिवेदन लेखन, एकाइ परीक्षा, मासिक परीक्षासन मूल्याङ्कनक साधनसभक प्रयोग कएल जा सकत । मूल्याङ्कनकलेल विद्यार्थीक अभिलेख रखनाइ आवश्यक अछि । ओही आधारपर ग्रहणक अवस्था जानल जा

सकैत अछि एवं आवश्यकताअनुसार उपचारात्मक शिक्षण ग्रहण क्रियाकलाप सञ्चालन करऽ पड़ैत छैक । विशेष सिखाएब आवश्यक रहल विद्यार्थीकलेल विषय शिक्षकद्वारा उपयुक्त प्रक्रिया अपनाकऽ मूल्याङ्कन कएल जएबाक चाही । एहि प्रकारक मूल्याङ्कन निरन्तर रूपेँ कऽ विद्यार्थीसभमे अपेक्षित शिल्प आ व्यवहारक विकासपर जोड़ देबऽ पड़ैत छैक ।

मैथिली विषय (कक्षा ११ आ १२) मे कुल भारमध्य २५ प्रतिशत भार आन्तरिक मूल्याङ्कनक होएत । से प्राप्ताङ्कसभ अक्षराङ्कन पद्धतिमे परिणत कएल जाएत ।

आन्तरिक मूल्याङ्कन तालिका

क्र.सं.	**क्षेत्र**	**अङ्कभार**
१.	कक्षा सहभागिता (उपस्थिति आ कक्षाकार्य)	३
२.	त्रैमासिक परीक्षा	६
३.	परियोजना तथा प्रयोगात्मक कार्य	१६
	कुल अङ्क	**२५**

परियोजना तथा प्रयोगात्मक कार्य

विषयगत रूपमे निर्धारित कुल मूल्याङ्कनमध्य २५ अङ्क आन्तरिक मूल्याङ्कनकलेल निर्धारण कएल गेल अछि जाहिमे १६ अङ्क परियोजना/प्रयोगात्मक कार्यक रहल अछि । एहिअन्तर्गत मिथिलाक्षर अभ्यास, सृजनात्मक लेखन, कृति समीक्षा आ प्रतिवेदन लेखन कार्यद्वारा मूल्याङ्कन कएल जाएत ।

(अ) मिथिलाक्षर अभ्यास : मिथिलाक्षर लिपि पठन तथा लेखन विधिक मूल्याङ्कन करबासँ पहिने एहि लिपिमे सरल, संयुक्त आ मिश्र वाक्यसभ पढ़बाक तथा लिखबाक अभ्यास कराओल जाएत । मिथिलाक्षरमे पत्रलेखन आ अनुच्छेद लेखनक अभ्यास समेत कराओल जाएत ।

(आ) सृजनात्मक लेखन : कोनो विधा (कविता, कथा, निबन्ध, नाटक) मे सृजनात्मक कार्य करएबासँ पहिने से विधा लिखबाक विधि आ तरीका सम्बन्धमे विषय-शिक्षकद्वारा अभिमुखीकरण प्रशिक्षण देल जाएत ।

(इ) कृति समीक्षा : ई कार्य करएबासँ पहिने :

(१) कृति समीक्षा करबाक उद्देश्य आ प्रयोजनक सम्बन्धमे शिक्षकद्वारा विद्यार्थीसभकेँ जानकारी देल जाएत ।

(२) कृति समीक्षाक प्रकारसभ बताकऽ शिक्षक विद्यार्थीसभसँ ढाँचा तैयार करबौताह ।

(ई) प्रतिवेदन लेखन : प्रतिवेदन लेखनक ढाँचा प्रष्ट कऽ शिक्षक विद्यार्थीसभसँ सम्बन्धित विषयमे तथ्य वा तथ्याङ्क सङ्कलन करबा प्रतिवेदन लिखबौताह ।

प्रयोगात्मक तालिका

क्र.सं.	**कार्य**	**व्याख्या**	**कार्य घण्टा**	**अङ्कभार**
१.	मिथिलाक्षर अभ्यास	(क) मिथिलाक्षर लिपिमे विभिन्न तरहक शब्दसभक सङहि सरल, संयुक्त आ मिश्र वाक्यसभ पढ़बाक तथा लिखबाक अभ्यास करबाएब	५	२

२.	सृजनात्मक लेखन	(क) मुख्य-मुख्य विन्दु दऽ आदि, मध्य आ अन्त मिलाकऽ कथा लिखबा प्रस्तुत करबाएब वा (ख) कोनो समसामयिक महत्त्वक विषयवस्तु वा शीर्षक दऽ तुकान्त वा लोकलयक कविता रचना करबा प्रस्तुत करबाएब वा (ग) कोनो विषय उल्लेख कऽ ढाँचाअनुसार निबन्ध लिखबा प्रस्तुत करबाएब वा (घ) कोनो ठामक यात्रा-वर्णन लिखबाक शैली सिखाकऽ यात्रावृत्तान्त लिखबाएब आ प्रस्तुत करबाएब वा ([a]) कोनो विषय दऽकऽ ढाँचाक आधारपर लघु नाटक लिखबा प्रस्तुत करबाएब	१५	६
३.	कृति समीक्षा	नाटक, उपन्यास, खण्डकाव्यसँ सम्बन्धित प्रश्नसभ दऽकऽ कृति समीक्षा करबाएब	१०	४
४.	प्रतिवेदन लेखन	कोनो साहित्यिक कार्यक्रम वा घटनाक सम्बन्धमे तथ्य सङ्कलन करबा ओकर प्रतिवेदन तैयार करबाकऽ प्रस्तुत करबाएब वा कोनो साहित्यिक विषयपर कार्यशाला सञ्चालन कऽ प्रतिवेदन लिखबाएब आ प्रस्तुत करबाएब	१०	४
		कुल	४०	१६

(ख) वाह्य मूल्याङ्कन

पाठ्यक्रमद्वारा निर्धारित उद्देश्य अनुरूपक ज्ञान, शिल्प आ व्यवहार विद्यार्थी हासिल कएलक कि नहि अथवा कतेक मात्रामे हासिल कएलक, तकर लेखाजोखा कएनाइए विद्यार्थी मूल्याङ्कन होइत अछि । विद्यार्थीसभक उत्तीर्ण-अनुत्तीर्ण, श्रेणी आ स्तर निर्धारणक उद्देश्य राखि कएल जाएबला मूल्याङ्कनके सैद्धान्तिक वा निर्णयात्मक मूल्याङ्कन कहल जाइछ । एहन मूल्याङ्कन शैक्षिक सत्रक अन्तमे व्यवस्थित प्रश्नपत्र आ लिखित परीक्षाक माध्यमसँ कएल जाइत अछि । एहि विषयमे कक्षा ११ आ १२ प्रत्येकमे कुल भारमध्य ७५ प्रतिशत भार वाह्य मूल्याङ्कनक होएत । कक्षा ११ आ १२ दुनू कक्षाक परीक्षाकलेल पाठ्यक्रम विकास केन्द्रद्वारा तैयार कएल गेल विशिष्टीकरण तालिका अनुसार प्रश्नपत्र निर्माण कएल जाएत । एहि विषयक परीक्षामे खास कऽ ज्ञान/बोध, व्यावहारिक शिल्प, समस्या-समाधान, समालोचनात्मक एवं सृजनसँ सम्बन्धित प्रश्नसभ पुछल जाएत । पाठ्यक्रमद्वारा निर्धारित उद्देश्य अनुरूप विद्यार्थीकेँ ज्ञान, शिल्प, अभिवृत्ति आ दक्षता प्राप्त भेलैक वा नहि, से मूल्याङ्कन कएल जाएत । सभ वाह्य परीक्षामे अक्षराङ्कन पद्धतिक प्रयोग कएल जाएत ।

वाह्य मूल्याङ्कन तालिका

कक्षा ११

क्र.सं.	मूल्याङ्कन क्षेत्र	विधा	अङ्कभार	स्पष्टीकरण
१	पाठ्**यव**स्तुक बोध (अति संक्षिप्त आ संक्षिप्त	**कथा**	५	कथाक अंश दऽकऽ कथावस्तु, पात्र, दृष्टिविन्दु आ सारवस्तु मादे कोनो पक्षसँ सम्बन्धित दूटा प्रश्न (एक अति संक्षिप्त आ दोसर संक्षिप्त) पुछी । दुनूक उत्तर दिआबी । एहन

	उत्तरात्मक)			प्रश्नमे पाठक अंशक सङ्ग सङ्केतक अंश दऽ बाँकी कथाक **सम्बन्धमे** उत्तर लिखाएवला प्रश्न पुछी ।
		कविता	५	कविताक अंश दऽकऽ मूल भाव, लयविधान आ शैलीक मादे कोनो पक्षसँ सम्बन्धित दूटा प्रश्न (एक अति संक्षिप्त आ दोसर संक्षिप्त) पुछी । दुनूक उत्तर लिखबाबी । एहन प्रश्नमे कविताक अंशक सङ्ग सङ्केतक अंश दऽ बाँकीक सम्बन्धमे उत्तर लिखल वा पढ़ल पाठक मूल भाव लिखाएवला प्रश्न पुछी ।
		निबन्ध	५	मूल विचार, उद्देश्य आ शैलीमध्य कोनो पक्षसँ सम्बन्धित दूटा प्रश्न (एक अति संक्षिप्त आ दोसर संक्षिप्त) पुछी । दुनूक उत्तर दिआबी ।
		नाटक	५	कथानक, पात्रविधान आ परिवेशसँ सम्बन्धित प्रसङ्गपर आधारित दूटा प्रश्न (एक अति संक्षिप्त आ दोसर संक्षिप्त) पुछी । दुनूक उत्तर लिखाबी ।
		साहित्य सिद्धान्त	८	शब्दशक्ति, रस, छन्द वा अलङ्कारसँ एकटा सैद्धान्तिक प्रश्न (संक्षिप्त) पुछी । कोनो कविताक अंश दऽ छन्द आ गण सङ्केत लिखबाक हिसाबेँ दूटा प्रश्न (संक्षिप्त) पुछी वा कोनो कवितांश दऽ शब्दशक्ति, रस वा अलङ्कार पहिचान करबबैत दूटा प्रश्न (संक्षिप्त) पुछी आ एकटा संक्षिप्त उत्तर लिखबाबी ।
		साहित्य इतिहास	१०	निर्धारित विधाक विकासक्रम, प्राचीन, मध्य, आधुनिक आ समसामयिक युगक मुख्य प्रवृति आ प्रतिनिधि स्रष्टासँ सम्बन्धित चारिटा प्रश्नक जवाब देबाक हिसाबेँ पाँचटा प्रश्न (तीनटा संक्षिप्त आ दूटा अति संक्षिप्त) पुछी । पाँच प्रश्नमध्य अति संक्षिप्त दूटा आ संक्षिप्त दूटाक जवाब लिखबाबी ।
२.	सप्रसङ्ग व्याख्या/भाव विस्तार	कथा, नाटक, कविता, निबन्ध	८	कथा, कविता, निबन्ध, नाटक विधाक कोनो पाठगत अंशक सप्रसङ्ग व्याख्या आ भाव विस्तार सम्बन्धी तीनटा संक्षिप्त प्रश्न पुछी । आ दूटा प्रश्नक उत्तर लिखबाबी ।
३.	सारांश लेखन/घटना टिपोट	कथा, नाटक, कविता, निबन्ध	४	कथा, कविता, निबन्ध, नाटकक सारांश सम्बन्धी एक प्रश्न आ उक्त विधाक अंश दऽ मुख्य–मुख्य घटना टिपऽ वला एक प्रश्न पुछी । एक मात्र प्रश्नक जवाब दिआबी ।
४.	समीक्षात्मक	कविता, कथा, निबन्ध आ नाटक	२०	कविता, कथा, निबन्ध आ नाटकसँ तीनटा समीक्षात्मक प्रश्न पुछी । कोनो दूटाक उत्तर लिखबाबी ।
५.	मिथिलाक्षर अभ्यास	लिपि	५	अति संक्षिप्त प्रश्नक हिसाबेँ मिथिलाक्षरमे दूटा वाक्य लिखबाबी । संक्षिप्त प्रश्नक रूपमे मिथिलाक्षरमे पत्र–लेखन आ देवनागरी–मिथिलाक्षरबीच रूपान्तरण सम्बन्धी दूटा प्रश्न पुछी, जाहिमे एक प्रश्नक जवाब दिआबी ।

कक्षा १२

क्र.सं	**मूल्याङ्कन क्षेत्र**	विधा	**अङ्कभार**	**स्पष्टीकरण**
१.	पाठ्यवस्तुक बोध	कथा	५	कथाक अंश दऽकऽ कथावस्तु, पात्र, दृष्टिविन्दु आ सारवस्तु मादे कोनो पक्षसँ सम्बन्धित दूटा प्रश्न (एक अति संक्षिप्त आ दोसर संक्षिप्त) पुछी । दुनूक जवाब

	(अति संक्षिप्त आ संक्षिप्त उत्तरात्मक)			लिखबाबी । एहन प्रश्नमे पाठक अंशक सङ्ग सङ्केतक अंश दऽ बाँकी पाठक सम्बन्धमे उत्तर लिखाएवला प्रश्न पुछी ।
		कविता	५	कविताक अंश दऽकऽ मूल भाव, लयविधान आ शैलीक मादे कोनो पक्षसँ सम्बन्धित दूटा प्रश्न (एक अति संक्षिप्त आ दोसर संक्षिप्त) पुछी । दुनूक उत्तर दिआबी । एहन प्रश्नमे कविताक अंशक सङ्ग सङ्केतक अंश दऽ बाँकीक सम्बन्धमे उत्तर लिखल वा पढ़ल पाठक मूल भाव लिखाएवला प्रश्न पुछी ।
		निबन्ध	५	मूल विचार, उद्देश्य आ शैलीमध्य कोनो पक्षसँ सम्बन्धित दूटा प्रश्न (एक अति संक्षिप्त आ दोसर संक्षिप्त) पुछी । दुनूक जवाब लिखबाबी ।
		उपन्यास	८	कथावस्तु, पात्र, दृष्टिविन्दु आ सारतत्त्व कोनो पक्षसँ सम्बन्धित सन्दर्भपर आधारित तीनटा संक्षिप्त प्रश्न पुछी । दूटाक जवाब लिखबाबी ।
		खण्डकाव्य	४	मूल भाव, लयविधान आ शैलीमध्य कोनो पक्षसँ सम्बन्धित दूटा संक्षिप्त प्रश्न पुछी । एकटा संक्षिप्तक उत्तर दिआबी ।
		गाथा	५	मूलभाव, पद्य–गद्यक, लय विधान आ शैलीमध्य कोनो पक्षसँ सम्बन्धित एक अति संक्षिप्त आ एक संक्षिप्त प्रश्न पुछी । दुनूक जवाब लिखबाबी ।
		भाषा विज्ञान	६	कर्त्ता, कर्म, काल, पक्ष, आदरार्थी शब्द अनुसार क्रियापदमे आबऽ वला भिन्नतापर आधारित चारिटा प्रश्न (दूटा अति संक्षिप्त आ दूटा संक्षिप्त) पुछी । दूटा अति संक्षिप्त आ एकटा संक्षिप्तक उत्तर दिआबी ।
२.	सप्रसङ्ग व्याख्या/भाव विस्तार	कथा, कविता, निबन्ध, उपन्यास, खण्डकाव्य	८	कथा, कविता, खण्डकाव्य, निबन्ध आ उपन्यास विधासँ कोनो पाठगत अंशक सप्रसङ्ग व्याख्या आ भाव विस्तार सम्बन्धी तीनटा संक्षिप्त प्रश्न पुछी आ दूटाक जवाब दीआबी ।
३.	सारांश लेखन/घटना टिपोट	कथा, कविता, निबन्ध, उपन्यास, खण्डकाव्य	४	कविता, कथा, निबन्ध, उपन्यास आ खण्डकाव्यसँ सारांश लेखन सम्बन्धी एकटा संक्षिप्त प्रश्न आ ओहि विधासभक कोनो अंश दऽकऽ मुख्य–मुख्य घटना टिपऽ वला एकटा संक्षिप्त प्रश्न पुछी । एक मात्र प्रश्नक जवाब लिखबाबी ।
४	समीक्षात्मक	कथा, निबन्ध, उपन्यास, खण्डकाव्य	२०	उपन्यास आ खण्डकाव्यसँ एकटा समीक्षात्मक प्रश्न पुछी आ कथा, कविता, निबन्ध विधासँ दूटा प्रश्नमध्य १ प्रश्नक उत्तर दिअएबाक हिसावेँ दूटा समीक्षात्मक प्रश्न पुछी । तीनमध्य दू प्रश्नक जवाब दिआबी ।
५.	मिथिलाक्षर अभ्यास	लिपि	५	अति संक्षिप्त प्रश्नक हिसावेँ मिथिलाक्षरमे दूटा वाक्य लिखबाबी । संक्षिप्त प्रश्नक रूपमे मिथिलाक्षरमे अनुच्छेद लेखन आ देवनागरी–मिथिलाक्षरवीच रूपान्तरण सम्बन्धी प्रश्न पुछी, जाहिमध्य एक प्रश्नक जवाब लिखबाबी ।

विशिष्टीकरण तालिका

कक्षा ११ पूर्णाङ्क – ७५

क्र. सं.	क्षेत्र	विधा	ज्ञान आ बोध			व्यावहारिक शिल्प			उच्च दक्षता			कुल प्रश्न	उत्तर देल जाएवला प्रश्न सङ्ख्या	अङ्क-भार
			अति संक्षिप्त	संक्षिप्त	दीर्घ	अति संक्षिप्त	संक्षिप्त	दीर्घ	अति संक्षिप्त	संक्षिप्त	दीर्घ			
१.	पाठ्यवस्तुक बोध	कथा	१	१								२	२	५
		कविता	१	१								२	२	५
		निबन्ध	१	१								२	२	५
		नाटक	१	१								२	२	५
		साहित्य सिद्धान्त		१			१					३	२	८
		साहित्य इतिहास	२	२								५	४	१०
२.	सप्रसङ्ग व्याख्या/ भावविस्तार	कथा, कविता, निबन्ध आ नाटक								२		३	२	८
३.	सारांश लेखन/ घटना टिपोट	कथा, कविता, नाटक आ निबन्ध								१		२	१	४
४.	समीक्षात्मक	कविता, कथा, निबन्ध, नाटक									२	३	२	२०
५.	मिथिलाक्षर अभ्यास	लिपि				१	१					३	२	५
	कुल प्रश्न		**६**	**७**		१	**२**			**३**	**२**	**२७**	**२१**	**७५**

कक्षा १२ पूर्णाङ्क – ७५

क्र. सं.	क्षेत्र	विधा	ज्ञान आ बोध			व्यावहारिक शिल्प			उच्च दक्षता			कुल प्रश्न	उत्तर देल जाएवला प्रश्न सङ्ख्या	अङ्क भार
			अति संक्षिप्त	संक्षिप्त	दीर्घ	अति संक्षिप्त	संक्षिप्त	दीर्घ	अति संक्षिप्त	संक्षिप्त	दीर्घ			
१.	पाठ्यवस्तुक बोध	कथा	१	१								२	२	५
		कविता	१	१								२	२	५

		निबन्ध	१	१								२	२	५
		उपन्यास		२								३	२	८
		खण्डकाव्य		१								२	१	४
		गाथा	१	१								२	२	५
		भाषा विज्ञान	१			१	१					४	३	६
२.	सप्रसङ्ग व्याख्या/ भावविस्तार	कथा, निबन्ध, उपन्यास, कविता आ खण्डकाव्य								२		३	२	८
३	सारांश लेखन/ घटना टिपोट	कविता, खण्डकाव्य कथा, उपन्यास आ निबन्ध								१		२	१	४
४	समीक्षात्मक	कथा, कविता, उपन्यास, निबन्ध आ खण्डकाव्य									२	३	२	२०
५	मिथिलाक्षर अभ्यास	लिपि				१	१					३	२	५
	कुल प्रश्न		**५**	**७**		**२**	**२**			**३**	**२**	**२८**	**२१**	**७५**

द्रष्टव्य : (क) ज्ञान आ बोध : विशिष्ट तथ्य, प्राप्त सूचना, पुनः स्मरण आ बुझल बातसभक मूल्याङ्कन कएल जाएवला प्रश्नसभ एहिअन्तर्गत पुछल जाएत ।

(ख) व्यावहारिक शिल्प : एहिमे व्यावहारिक क्षमता सम्बन्धी प्रक्रियागत प्रश्नसभ पुछल जाएत ।

(ग) उच्च दक्षता : विचारक संयोजन आ मूल्याङ्कन क्षमता सम्बन्धी प्रश्नसभ एहि अन्तर्गत पुछल जाएत ।

प्रश्नक अङ्क विभाजन

कक्षाः ११				**कक्षा : १२**			
प्रश्नक प्रकार	**प्रश्न संख्या**	**अङ्क विभाजन**	**अङ्कभार**	**प्रश्नक प्रकार**	**प्रश्न संख्या**	**अङ्क विभाजन**	**अङ्कभार**
अति संक्षिप्त संक्षिप्त दीर्घ	७ १ २ २	१प्रश्न×१अङ्क १प्रश्न×४अङ्क १प्रश्न×१०अङ्क	७×१= ७ १२×४=४८ २×१०=२०	अति संक्षिप्त संक्षिप्त दीर्घ	७ १२ २	१प्रश्न×१अङ्क १प्रश्न×४अङ्क १प्रश्न×१०अङ्क	७×१= ७ १२×४=४८ २×१०=२०
कुल	**२१**		**७५**	**कुल**	**२१**		**७५**

नमूना प्रश्नपत्र

कक्षा : ११ **विषय : मैथिली-३३५**

१. निम्नलिखित प्रश्नसभक एक वाक्यमे उत्तर दिअ : **७×१**

(क) 'झिमनी' कोन विषयपर आधारित कथा अछि ?
(ख) 'रातुक भीजल छल...' कविताक रचनाकारक पूर्ण नाम की छियनि ?
(ग) लोकनायक सलहेसक स्थानसभ नेपालक कोन जिलामे पड़ैत अछि ?
(घ) अष्टावक्र के छलाह ?
(ङ) मैथिली साहित्यमे स्वर्णकाल कोन समयकेँ कहल जाइत छैक ?
(च) योगेन्द्र साह 'नेपाली' कोन योगदानक लेल विशेष जानल जाइत छथि ?
(छ) "मैथिली हमरा नीक लगैए" आ "हम गाम जाएब" केँ मिथिलाक्षरमे लिखू ।

२. निम्न प्रश्नमध्य नओगोट प्रश्नक संक्षिप्त उत्तर लिखू : (प्रश्न 'ट' अनिवार्य) **९×४**

(क) पुरैनियाँवालीकेँ बच्चाक लालसा कोना अकल्पनीय बाटदिस लऽ जाइत अछि ?
(ख) 'कनियाँ गाछ' कविताक माध्यमसँ समाजमे रहल नारीप्रतिक दृष्टिकोणकेँ स्पष्ट करू ।
(ग) मिथिला समाजमे डोम जातिक सामाजिक अवस्थापर प्रकाश दिअ ।
(घ) नाटकक आधारपर अष्टावक्रक संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करू ।
(ङ) शब्दशक्ति की छियैक ? पाठमे रहल कविताक माध्यमेँ उदाहरणसहित स्पष्ट करू ।
(च) 'हम नेपाली छी' कविता कोन छन्दमे अछि, एकर गणसङ्केत लिखू ।
(छ) 'रातुक भीजल छल वन-उपवन' कवितामे प्रयुक्त अलङ्कारसभकेँ उदाहरणसहित रेखाङ्कित करू ।
(ज) नेपालमे मैथिली साहित्यक कथायात्राक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करू ।
(झ) मैथिली साहित्यक विकासमे पत्रकारिताक की योगदान रहलैक अछि ?
(ञ) नेपालक मैथिली साहित्यमे जीवनाथ झा स्कूलसँ की बुझल जाइत अछि ?
(ट) विद्यालयमे विद्यापति जयन्ती मनएबाक स्वीकृति मंगैत प्रधानाध्यापककेँ मिथिलाक्षरमे निवेदन लिखू ।

अथवा

पाठमे रहल मो. अशरफ राइनक गजलक कोनो चारिटा शेर मिथिलाक्षरमे लिखू ।

३. निम्न उद्धरणसभमेसँ दूगोटक व्याख्या / विस्तार करु : **२×४**

(क) प्रेम कते अजीब होइ छै, मन अहींक नाम जपै छल । कहियोकाल त एना डेरा जाइ जे कहीँ ककरो
आगाँ अहाँक नाम ने लिया जाए । (भाव विस्तार)
(ख) देखू हमहूँ ईद आ कर्बाचौथ अहूँ मनाबै छी
बाँटब कैला, सझिएमे मिलाकऽ चान राखू । (सप्रसंग व्याख्या)
(ग) बैसल नहि बूझय कियो, बाटक की व्यवधान ।
चलनिहार दै अछि सदा, चलै बलाके मान । (सप्रसंग व्याख्या)

४. निम्न दूमेसँ कोनो एकटा कार्य करू : **१×४**

(क) सारांश लिखू :

सलहेस आइसँ १४-१५ सय वर्ष पहिने अर्थात पाँचम-छठम शताब्दीमे जन्मल छलाह । ओ दुसाध वा पासवान जाइतके रहैथ । दलित चेतनाके उन्नायक सलहेस राजकीय गुणसँ ओतप्रोत छलाह । बच्चेसँ ओ विलक्षण स्वभावके छलाह आ मोरंग हुनकर राजधानी रहैन । ई अपना युगमे मात्र नइँ आइयो ओतबे पुजनीय छैथ । मिथिला-मधेशके विभिन्न गाममे हुनकर गहबर विराजमान अइछ । अन्याय, अत्याचार, उत्पीड़न, शोषण, दमन हुनका नइँ देखल जाइत छलैन । तेँ ओ लोककल्याणमे जीवनभर लागल रहलाह । हुनकर तुलना विश्वके कएक वीरपुरुषसभसँ कएल गेल

अइछ । ओ रूसके राष्ट्रीय हिरो आइवान दी टेरीबूल, इंगलैण्डक रबिनहूड आ वनराज टारजनजकाँ छलाह ।

(ख) कथा फुलबा हरणक प्रमुख घटनासभक टिपोट तैयार करू ।

५. निम्न तीनमेसँ कोनो दूगोट प्रश्नक उत्तर लिखू : १०×२

(क) पाठमे रहल कथाक आधारपर फूल बहिनक चरित्र चित्रण करू ।

(ख) 'हम नेपाली छी' कविताक आलोकमे नेपालक विशिष्टतासभक विश्लेषण करु ।

(ग) 'चित्रकला प्रदर्शनी' कविताक आधारपर स्पष्ट करू जे मिथिलामे कलाक की स्थान छैक ।

कक्षा : १२ विषय : मैथिली-३३६

१. निम्नलिखित प्रश्नसभक एक वाक्यमे उत्तर दिअ : ७×१

(क) कथाक आधारपर बताउ जे बहुरा कोन काज करैत अछि ?

(ख) कविताक मोताबिक सियाजी मिथिलामे की छोड़िक अयोध्या चलि गेलीह ?

(ग) दही चूड़ा आ चीनीमे क्रमशः कोन गुण पाओल जएबाक बात लेखक बतबैत छथि ?

(घ) गाथानायक दिना आ भद्रीक बीच कोन सम्बन्ध छल ?

(ङ) कोनो प्राकृतिक भाषाक विशेषता की होइत छैक ?

(च) मन्त्रीजीकेँ 'बोखार लागि गेलनि' आ 'बोखार लागि गेलै', कोन सही हेतै ?

(छ) 'हम कृषि कर्म करब' आ 'ओ संस्कृति रक्षार्थ खटैत अछि' केँ मिथिलाक्षरमे लिखू ।

२. निम्न प्रश्नमध्य नओगोट प्रश्नक संक्षिप्त उत्तर लिखू : (प्रश्न 'ठ' अनिवार्य) ९×४

(क) भौजीक गुम्मा थापड़ कोना प्रकट होइत अछि ?

(ख) समयक खेतमे श्रमिकसभ किए खनैत रहत ?

(ग) यात्रा-वृत्तान्तक आधारपर चीनक कोनो चारिटा मह**त्त्व**पूर्ण तथ्यपर चर्चा करू ।

(घ) जहाज दुर्घटनाक बाद मर्सिनीक नायिकाक जिनगी कोना नव मोड़ लैत अछि ?

(ङ) उपन्यास मर्सिनीमे नायक आ नायिकाक सामाजिक पृष्ठभूमि केहन रहैत छैक ?

(च) 'मर्सिनी' उपन्यासक मुख्य सन्देश की अछि ?

(छ) खण्डकाव्यक आधारपर मूसक महिमा संक्षेपमे चित्रित करू ।

(ज) दिनाभद्री गाथाक प**द्य**मय चारि पाँति लिखि अर्थ बताउ ।

(झ) मैथिलीक क्रियापदक विशेषतासभ सोदाहरण उल्लेख करू ।

(ञ) मैथिलीमे कए प्रकारक भाषिक वैविध्य छैक, वर्णन करू ।

(ट) मूस महिमा काव्यक मूल मर्म की अछि ?

(ठ) 'नेपाल देश' पर एक अनुच्छेद मिथिलाक्षरमे लिखू ।

वा

गुरु कविताक चारिटा दोहा मिथिलाक्षरमे लिखू ।

३. निम्न उद्धरणसभमेसँ कोनो दूगोटक व्याख्या/ विस्तार करू : २×४

(क) लोक आउर कहै छै, माउगि-माउगि अलग होइ छै– नारी, स्त्री, महिला, माउगि, मौगी, जनी – हौ जी,

एतेक नाम द' देने ओ सभ बदलि जाइ छै की ? (भाव विस्तार)

(ख) या समय जब नौ महिना तेरह दिन जब बितलै
नौ महिना तेरह दिनमे ओकर जनम जब भेलैअ
ओही समयमे गोसैयाँजी परिबइसमे बाभन बनलै

या बाभन बनिक' एलै गोसैयाँ तखने नगर गाम जोगियामे (सप्रसंग व्याख्या)

(ग) हमरे डाला-पनपथियासँ देवतो-पितर पुजाइ छै
कहू यौ बाबू तैयो हम्मर देह ई किए छुआइ छै ! (सप्रसंग व्याख्या)

४. निम्न दूमेसँ कोनो एकटा कार्य करू : १×४

(क) 'दृष्टान्तमाल' कविताक सारांश अपन भाषामे लिखू ।

(ख) निम्न अनुच्छेदसँ चारि पाँति विन्दुगत टिपोट करु :

आइसँ बीस-एकैस वर्ष पहिने ओहिना हम एक दिन एसएलसी परीक्षा दऽकऽ छुट्टीमे स्वतन्त्र आ तनावमुक्त समय लऽकऽ गाम आएल रही । दाइ हमर बाट दुरखामेसँ तकैत रहए । ..... हमर दाइकेँ लोक सुधुआ आ किछु हदतक बकलेल बुझैक मुदा ओ धीयापुता आ गरीबसभक जेना रानी मधुमाछी रहैक, एहनसन ओकरेसँ सटल रहैत छलैक । गामक गरीब गुरबासभक धीयापुता आ बुढ़ियासभक भिनसरसँ साँझधरि दाइयेलग बितैक । कियो कहाँदन साड़ी मांगैक तऽ ओ अपने साड़ी दऽ दैक । बाबा पिताथिन्ह तऽ कहाँदन ओ कहैक– "आब तऽ अहाँकेँ दोसर किनहि पड़त ने ! ..... ओना ओकरा किनि दितियैक ?" बादमे बाबा तंग भऽकऽ ओकर सिफारिशपर किछु बुढ़ियासभकेँ वर्षमे एकबेर नियमित रूपसँ साड़ी देबऽ लगलखिन्ह ।

५. निम्न तीनमेसँ कोनो दूगोट प्रश्नक उत्तर लिखू : १०×२

(क) पाठक आधारपर सिद्ध करू जे डा. धीरेन्द्र एकटा स्वाभिमानी साहित्यकार छलाह ।

(ख) 'गुरु' कवितामे वर्णित गुरुक महत्त्वक विवेचन करु ।

(ग) 'दिना-भद्री' लोकगाथाक आधारपर दिना-भद्रीक चरित्र चित्रण करू ।

-०-